कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231

ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र./जन.कार्य./2024/420 दिनांक : 05/02/2024

प्रति,

श्रीमान संपादक महोदय/ब्यूरोचीफ

ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

प्रेसनोट :

किसान हितैषी योजनाओं व नवाचारों को जानने का अच्छा अवसर है विश्वविद्यालय का किसान मेला

- **वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारियों, किसानों व छात्रों ने रूचिपूर्वक देखा मेला**
- **किसान मेले में ड्रोन का सजीव चित्रण**
- **मेले का समापन 06 फरवरी को**

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के मुख्य प्रागंण में चल रहे चार दिवसीय किसान मेले में आज अतिथियों के रूप में आये रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के निदेशक अनुसंधान सेवायें डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, ग्वालियर के जिलाधीश श्री अक्षय कुमार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल ने प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के बाद किसानों से कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि के लिये शासन की अच्छी योजनाओं तथा कृषि में हो रहे नये–नये अनुसंधानों व प्रयोगो की जानकारियां आप तक पहुंचाने के लिये यह बहुत अच्छा आयोजन किया है आप इसका भरपूर लाभ उठाये। यह किसान मेला कल 06 फरवरी तक चलेगा।

किसानो को सम्बोधित करते हुये डॉ. एस.के. चतुर्वेदी ने कहा कि कृषि में दलहन उत्पादन में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस क्षेत्र में अभी और भी आगे बढने की संभावना है। आपने कहा कि जब हम हाइब्रिड फसलों की बात करते है तो उनमें स्वाभाविक रूप से हमें जल की अधिक आवश्यकता पडती है। इसे देखते हुये हमारे किसान भाइयों को ऐसी फसलों के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की आवश्यकता है जिनमें कम जल, कम उर्वरक आदि का प्रयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

कार्यक्रम के तीसरे दिन आज ड्रोन तकनीक का सजीव चित्रण किसान भाईयों एवं विद्यार्थियों के समक्ष किया गया तथा बताया गया कि ड्रोन के द्वारा हम बीजों की बुवाई, सूक्ष्म तत्वों की कमी, पानी की कमी आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में मौजूद ड्रोन की कुछ विशेषतायें जैसे 1 मिनट की चार्जिंग में 10 मिनट तक चलना, 1 बार की चार्जिंग में 1 से 1.5 एकड के क्षेत्र को सिंचित करना तथा बैटरी कम होने पर अपने स्थान पर पुनः आ जाना आदि के बारे में अवगत कराया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने आयीं सिंधिया कन्या महाविद्यालय की छात्रा कु. अम्बिका पांडे ने इस किसान मेले में लगाई गई प्रदर्शनियों में मॉडर्न टेक्नॉलोजी को देखने का अवसर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान करने पर धन्यवाद दिया।

आज के तकनीकी सत्रों में संरक्षित खेती की तकनीक, बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीक, कृषि विभाग की कृषकोंपयोगी योजनायें, प्राकृतिक खेती पद्धति में कीट व रोग प्रबंधन की तकनीकें, सब्जियों की संरक्षित खेती, मशरूम उत्पादन की उन्नत तकनीक, सोयाबीन की खेती आदि विषयों पर क्रमशः निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी.सिंह, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.के. पण्ड्या, संयुक्त संचालक श्री डी.एल. कोरी, वैज्ञानिक डॉ. जे.सी. गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अवनी कुमार सिंह, वैज्ञानिक डॉ. अरविन्दर कौर, वैज्ञानिक डॉ. धर्वेन्द्र सिंह द्वारा कृषकों हेतु व्याख्यान दिये गये।

इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, झाबुआ के वैज्ञानिक डॉ. जगदीश मोर्य, कृषि विज्ञान केन्द्र, खरगोन के डॉ. सुनील कुमार त्यागी, तथा उत्कृष्ट कार्य हेतु कृषक श्री इन्द्रपाल सिंह, श्री रमेश सिंह, श्री राजीव अनंत सिंह, श्री रामकृष्ण तिरोले, श्री राम पाटीदार, श्री सतीश सिंह वैश, श्री धर्वेन्द्र धाकड़ आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मी शुक्ला व डॉ. वाय.के. शुक्ला द्वारा लिखित श्री अन्न उन्नत उत्पादन तकनीक एवं पोषक व्यंजन विषय पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। इंडियन इन्स्टीटयूट ऑफ फार्मिंग रिसर्च, मोदीपुरम डॉ. आर.के. मिश्रा, कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला, निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह, कुलसचिव श्री अनिल सक्सेना, संयुक्त संचालक श्री डी.एल. कोरी एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डॉ. एस.एस. तोमर भी मेले में उपस्थित रहें। अखिल भारतीय किसान मेले व कृषि तकनीकी प्रदर्शनी कार्यक्रम में तीसरे दिन भी हजारों किसानों व स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा कृषि मेले का भ्रमण किया गया।